विषय : तबला - पखावज

महत्वपूर्ण सूचना :

प्रवेशिका प्रथम से विद्यार्थिओं को सभी वादन लहरा के साथ करना होगा।
प्रवेशिका प्रथम से केवल क्रियात्मक के पाठ्यक्रम का पुनरावर्तन होगा।
साथ संगत के प्रश्न की परीक्षा प्रत्यक्ष रूप से किसी गायक या वादक के साथ अनिवार्य है।

प्रारंभिक

तबला - पखावज

पूर्णांक : 50, न्यूनतम : 18
क्रियात्मक : 40 शास्त्र (मौखिक) : 10

शास्त्र मौखिक रूप में :

1) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा
   मात्रा, ताल, सम, ताली, खाली, विभाग, दुगुन, आवर्तन

क्रियात्मक :

1) अपने वाद्य पर बजने वाले सभी प्रमुख स्वतंत्र वर्णो के वादन विधि का समुचित ज्ञान।
2) अ) निम्नलिखित सभी तालों को ठाह तथा दुगुन में हाथ से ताली, खाली दिखाकर बोलने की तथा बजाने की क्षमता
      1) तबला : त्रिताल, झपताल, दादरा तथा कहरवा
      2) पखावज : आदिताल, चौताल, तथा सूलताल।
   ब) रूपक /तीव्रा ताल को बराबर की लय में बोलने की तथा बजाने की क्षमता ।
3) निम्नलिखित तालों में विस्तार

तबला :

अ) त्रिताल :– एक 'तिट' का एवम 'तिरकिट' का कायदा, तीन पलटे तिहाई सहित

ब) त्रिताल और झपताल मे सम से सम तक न्यूनतम एक एक तिहाई

पखावज :

अ) चौताल मे धागेतिट तथा धूमकिट बोलयुक्त रचना प्रकारों का बराबर की लय में वादन।

अंकपत्रिका :

सूचना : 1) इस परीक्षा के लिए हर एक विद्यार्थी को 10 मिनिट का समय निर्धारित किया गया है। तथा सभी कॉलम के अनुरूप प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

2) पखावज के लिए अभ्यासक्रमानुसार पखावज के ताल पुछे जाएँगे।

1)	परिभाषा	–	10 अंक
2)	वर्ण तथा तालों के ठेके एकगुन, दुगुन बजाना	–	10 अंक
3)	तालों के ठेके हाथ पर ताल देकर पढना	–	10 अंक
4)	त्रिताल, झपताल में अभ्यासक्रम के अनुसार वादन	–	12 अंक
5)	रूपक में अभ्यासक्रम के अनुसार वादन	–	3 अंक
6)	सामान्य प्रभाव	–	5 अंक
	कुल	=	50 अंक